http://www.uoronline.com

# B.A. (Part III) EXAMINATION, 2019

(10+2+3 Pattern) (Faculty of Arts)

(Three-year Scheme of 10+2+3 Pattern)

[Also Common with Subsidiary Paper of B.A./ B.Sc. (Hons.) Part-III]

## संस्कृत साहित्य

### प्रथम प्रश्न-पत्र–भारतीय दर्शन एवं व्याकरण

Time Allowed : Three Hours Maximum Marks : 100

नभी (लघूत्तरात्मक तथा वर्णनात्मक) प्रश्नों के उत्तर मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें। लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के क्रमानुसार ही देवें। इसी प्रकार किसी भी एक वर्णनात्मक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के वजाय एक ही स्थान पर क्रमानुसार हल करें। किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अत: परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर लिखें।

प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखें।

**PART-A (SHORT ANSWER)**

**भाग-अ ( लघुत्तरात्मक )**

**अंक : 30**

प्रश्न-पत्र के दो भाग होंगे जिसमें अ भाग बुहविकल्पीय (वस्तुनिष्ठ) एवं लघुत्तरात्मक प्रश्नों का होगा। ब भाग में निबन्धात्मक प्रश्न होंगे। अ भाग में कुल 15 प्रश्न होंगे जिनका पूर्णांक 30 अंकों का होगा। इनके समाधान के लिए एक घण्टे का समय निर्धारित है। ब भाग के पूर्णांक 70 हैं। तथा काल अवधि दो घण्टे निर्धारित है।

1. तर्कसंग्रह में कितने कारण बतलाये गये हैं ? नाम लिखिये।
2. तर्कसंग्रह के अनुसार लिङ्ग कितने प्रकार के हैं ? नामत: उल्लेख करें।
3. रूप की परिभाषा, उसके प्रकार तथा उसका आश्रय बतलाइये।
4. शरीर में रहने वाली पंच वायु के नाम लिखिये तथा वह शरीर के किस भाग में रहती है ?
5. संयोग का लक्षण लिखते हुए बतलाइये कि वह कितने प्रकार का माना गया है ?
6. अनुबन्ध चतुष्ट्य क्या है ? उदाहरण सहित समझाइये।
7. गीता के अनुसार आत्मतत्त्व का प्रतिपादन संक्षिप्त में कीजिए।
8. इस जगत में मनुष्य किससे बंधता या मुक्त होता है ? तथा किस प्रकार मनुष्य मुक्त होकर दिव्य ज्ञान प्राप्त कर सकता है ?
9. गीता के अनुसार अन्यमनस्क की परिभाषा लिखिये।
10. आत्म-साक्षात्कार करने वाले कितने प्रकार के पुरुष होते हैं ?
11. अदन्त अङ्ग से परे ङित्तो के आकार के स्थान पर आदेश होता है–

(अ) ऐय (ब) इय

(स) ऐस (द) आय

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

12. टित् लकार के स्थान पर हुए थास् को कौनसा आदेश होता है ?
(अ) आव (ब) अम
(स) से (द) पे

13. अदादिगण की धातुओं से लुक् होता है–
(अ) शप का (ब) टित् का
(स) ङित् का (द) अण का

14. एध धातु आत्मनेपद में मध्यम पुरुष द्विवचन का रूप है–
(अ) एधसे (ब) एधध्वे
(स) एधन्ते (द) एधेथे

15. हु धातु किन अर्थों में प्रयुक्त होती है ?
(अ) दान और भक्षण (ब) गति और भक्षण
(स) दान और सुनना (द) देखना और हंसना

## PART-B (DESCRIPTIVE)

## भाग-ब ( वर्णनात्मक )

**अंक : 70**

1. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए। एक व्याख्या संस्कृत में करना अनिवार्य है। 7+7=14

(अ) यं हि न व्यथयन्येते पुरुषं पुरुषर्षभ।
समदु:खसुखं धीरं सोऽमृतत्वाय कल्पते॥

(ब) सक्ता: कर्मण्यविद्वांसो यथा कुर्वन्ति भारत।
कुर्याद्विदांस्तथासक्तश्चिकीर्षुर्लोक संग्रहम्॥

(स) इन्द्रियस्येन्द्रियस्यार्थे रागद्वेषो व्यवस्थितौ।
तयोर्न वशमागच्छेती ह्यस्य परिपन्थिनौ॥

(द) परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्।
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे॥

2. गीता के अनुसार कर्मयोग का वर्णन कीजिए। 6

**अथवा**

गीता के द्वितीय अध्याय का सार संक्षिप्त में लिखिये।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो उद्धरण की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। एक की संस्कृत व्याख्या अनिवार्य है। 6+6=12

(अ) परापर व्यवहार साधारण कारणे परत्वापरत्वे। पृथिव्यादिचतुष्ट्यमनोवृत्तिनी। ते द्विविधे–दिक्कृते कालकृते च। दूरस्थे दिक्कृतं परत्वम्। समीपस्थे दिक्कृतमपरत्वम्। ज्येष्ठे कालकृतं परत्वम् कनिष्ठे कालकृतमपरत्वम्॥

(ब) ज्ञानाधिकरणमात्मा। स द्विविध:–परमात्मा जीवात्मा च। तत्रेश्वर: सर्वज्ञ: परमात्मैक एव। जीवात्मा प्रतिशरीरं भिन्नो विभुर्नित्यश्च॥

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

(स) सर्वव्यवहारहेतुर्बुद्धिर्ज्ञानम्। सा द्विविधा–स्मृतिरनुभवश्च। संस्कारमात्रजन्यं ज्ञानं स्मृतिः। तद्भिन्नं ज्ञानमनुभवः। स द्विविधः–यथार्थोऽयथार्थश्च। तद्वति तत्प्रकारकोऽनुभवो यथार्थः। यथा रजते 'इदं रजतम्' इति ज्ञानम्। स एव प्रमेत्युच्यते।

(द) वाक्यं द्विविधं–वैदिकं लौकिकं च। वैदिकमीश्वरोक्तत्वात्सर्वमेव प्रमाणम्। लौकिकं त्वाप्तोक्तं प्रमाणम्। अन्यदप्रमाणम्। वाक्यार्थ ज्ञानं शाब्दज्ञानम्। तत्करणं शब्दः।

4. तर्कसंग्रह में इन्द्रिय और पदार्थ का सन्निकर्ष कितने प्रकार का बतलाया गया है ? उनका विस्तृत विवेचन कीजिये। 8

**अथवा**

तर्कसंग्रह के अनुसार अनुमान प्रमाण का विस्तार से प्रतिपादन कीजिये।

5. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं पाँच की व्याख्या कीजिए। 3×5=15

(क) अतो दीर्घो यञि
(ख) अभ्यासे चर्च
(ग) सेर्ह्यपिच्च
(घ) लोपो व्योर्वलि
(ङ) टित् आत्मनेपदानां टेरे
(च) अदिप्रभृतिभ्यः शपः
(छ) अदभ्यस्तात्
(ज) दिवादिभ्यः श्यन्
(झ) विभाषा चेः
(ञ) क्रयादिभ्यः श्ना

6. किन्हीं पाँच की ससूत्र सिद्धि कीजिए– 3×5=15

(i) बभूव
(ii) जुहोति
(iii) भवतु
(iv) दीव्यतः
(v) अभवताम्
(vi) क्रीणीतः
(vii) एधन्ते
(viii) तुदति
(ix) अत्ति
(x) रूणद्धि

http://www.uoronline.com
http://www.uoronline.com
http://www.uoronline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से
http://www.uoronline.com